जिलावार ऋण वितरण 2013-2014

(राशि हजारों में)

क्र.सं.	जिले का नाम	लक्ष्य	प्राप्ति	प्राप्ति %
1.	देहरादून	592730	1216775	205.29
2.	उत्तरकाशी	117000	237792	203.25
3.	टिहरी	361912	549500	151.84
4.	हरिद्वार	117100	256077	218.69
	योग	**1188742**	**2260144**	**190.13**
5.	पौड़ी	661700	896643	135.51
6.	चमोली	354600	305590	86.18
7.	रूद्रप्रयाग	206040	219046	106.32
	योग	**1222340**	**1421278**	**116.28**
8.	पिथौरागढ़	572668	817850	142.82
9.	चम्पावत	187376	183299	97.83
	योग	**760044**	**1001149**	**131.73**
10.	अल्मोड़ा	542900	366831	67.57
11.	बागेश्वर	325200	259370	79.76
12.	नैनीताल	1314612	1507305	114.66
13.	ऊधम सिंह नगर	2499800	1171762	46.88
	योग	**4682512**	**3305268**	**70.59**
	महायोग	**7853638**	**7987839**	**101.71**

13. वसूली :

बैंक का वसूली प्रतिशत (पूर्ववर्ती दोनों बैंकों का समेकित) दिनांक 30.06.2013 की तिथि में 80.15 प्रतिशत रहा है। दिनांक 30.06.2013 को विस्तृत वसूली विवरण निम्नवत है :-

(राशि हजारों में)

विवरण	कुल मांग	वसूली	अतिदेय	वसूली%	अतिदेय		
					1 वर्ष तक	1 से 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक
कृषि क्षेत्र	2419702	1792201	627501	74.07	336642	277635	13224
गैर कृषि क्षेत्र	3893221	3267662	625559	83.93	316627	237929	71003
योग	**6312923**	**5059863**	**1253060**	**80.15**	**653269**	**515564**	**84227**
2. जिसमें से एस0जी0एस0वाई0	124911	79021	45890	63.26	31399	12333	2158

14. राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना :

भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार, राज्य में यह योजना लागू है तथा पात्र फसलों हेतु बीमा आवरण प्रदान किया जा रहा है।

15. ऋणों का अपलेखन

जिन प्रकरणों में वसूली के समस्त प्रयास व्यर्थ हो गये हैं, ऐसे ऋणों का अपलेखन नियमित रूप से किया जा रहा है। ऋणों के अपलेखन का विवरण नीचे दिया जा रहा है।

(राशि हजारों में)

वर्ष	खाते	अपलिखित राशि	कल्पित ब्याज	कुल राशि
2013–2014	20	265	171	436
योग	**20**	**265**	**171**	**436**

16. जोखिम निधि

बैंक द्वारा जोखिम निधि नहीं बनाई गई है।

17. अर्जित आय

यह विशेष उल्लेख करने योग्य है की वर्ष के दौरान कुल आय में 12.69 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल आय में अग्रिमों से आय का प्रमुख योगदान रहा है जो कुल आय का 54.99 प्रतिशत है। आय का विवरण निम्नवत है :

(राशि हजारों में)

विवरण	2012-2013	2013-2014
अग्रिमों पर अर्जित ब्याज	1187192	1411007
निवेशों पर अर्जित ब्याज	673224	417037
चालू खाता/सावधि जमा पर अर्जित ब्याज	337135	661791
विनिमय/कमीशन एवं अन्य आय	79471	76250
रिस्क फण्ड/प्रावधान से अन्तरित	–	–
कुल आय	**2277022**	**2566085**

18. उपगत व्यय

स्टाफ की प्रोन्नति तथा नई भर्ती एवं जमाओं की ब्याज दरों एवं उनके स्तर में वृद्धि से भी खर्चों में बढ़ोत्तरी हुई है। व्ययों का तुलनात्मक विवरण नीचे दिया गया है :

(राशि हजारों में)

विवरण	2012-2013	2013-2014
जमाओं पर प्रदत्त ब्याज	1280840	1520383
उधार पर प्रदत्त ब्याज	81244	99697
वेतन एवं भत्ते	394342	428990
अन्य व्यय	241340	339513
अन्य प्रावधान	20386	18209
योग	**2018152**	**2406792**

19. वित्तीय अनुपात :

महत्वपूर्ण वित्तीय अनुपात नीचे दिए गये हैं:- (राशि हजारों में)

	विवरण	31.03.2013	31.03.2014
	औसत कार्यशील पूंजी	**24775491**	**29737858**
1.	वित्तीय प्राप्ति	8.87	8.37
2.	वित्तीय लागत	5.50	5.45
3.	वित्तीय मार्जिन	3.37	2.92
4.	परिचालन लागत	2.57	2.58
5.	विविध आय	0.32	0.26
6.	परिचालन लाभ	1.13	0.60
7.	जोखिम लागत	0.08	0.06
8.	निवल मार्जिन	1.04	0.54
9.	कर हेतु प्रावधान	0.31	0.16
10.	कर उपरांत मार्जिन	0.74	0.38

20. मूल्य अन्तरण विधि :

शाखा स्तर पर लाभ/हानि अर्जन की सही गणना करने के लिए बैंक ने अपनी मूल्य अन्तरण विधि को अपनाया है। बैंक की मूल्य अंतरण कार्यविधि के कुछ महत्वपूर्ण अवयवों का विवरण निम्नवत् है :-

बचत खाता	जमाकर्त्ताओं को अदा किये गये ब्याज का 200%
चालू खाता	मासिक औसत शेष का 6%
सावधि जमा खाता	जमाकर्ताओं को अदा किये गये ब्याज का 108%
ऋण एवं अग्रिम	ऋण खातों पर प्राप्त ब्याज का 50% शाखाओं से लिया जाता है।
रोकड़ शेष	औसत रोकड़ शेष का 10% शाखाओं से लिया जाता है।
एनपीए प्रावधान में वृद्धि पर	
अ. पीबी खातों को राइट ऑफ करने पर	राइट ऑफ की गयी राशि का -50%
ब. राइट ऑफ खातों में वसूली राशि पर	50%

21. सहमति ज्ञापन :

वर्ष 2013-2014 के लिये बैंक द्वारा प्रायोजक बैंक के साथ हस्ताक्षरित सहमति ज्ञापन के लक्ष्यों के सापेक्ष महत्वपूर्ण सूचकांकों के विपरीत 31.03.2014 को की गई प्राप्तियां निम्नवत हैं :-

(राशि हजारों में)

	विवरण	लक्ष्य	प्राप्ति	प्राप्ति %
1.	(अ) अंश पूंजी	40000	40000	100
	(ब) अंश पूंजी निक्षेप	381500	381487	99.99
	(स) प्रारक्षित निधि	1562000	1435262	91.87

2.	जमा राशियाँ	26290000	27287280	103.79
	जमा वृद्धि %	18%	22.49%	124.94%
3.	उधार अवशेष (राशि)	2860000	2026202	70.85
4.	ऋण अवशेष (राशि)	14913400	15152596	101.60
	वृद्धि %	20%	21.93%	109.65%
5.	ऋण वितरण			
	प्राथमिकता क्षेत्र	5830000	5626530	96.51
	गैर प्राथमिकता क्षेत्र	1740000	2361309	135.71
6.	ऋण जमा अनुपात %	57.00	55.53	97.43
7.	वसूली % 30.06.2013	82%	80.15	97.74
8.	सांविधिक चल निधि निवेश (राशि)	6650000	6181930	92.96
9.	प्रति शाखा व्यवसाय (राशि)	157900	163230	103.38
10.	प्रति कर्मी व्यवसाय (राशि)*	42000	50404	120
11.	वर्ष के लिए लाभ (राशि)	228000	112958	49.54
12.	औसत प्राप्ति %	8.87	8.37	94.36
13.	औसत लागत %	5.49	5.45	99.27
14.	परिचालन लागत %	2.42	2.58	106.61
15.	शाखाओं की सं.	261	260	99.62
16.	कर्मचारियों की सं. (प्रायोजक बैंक स्टाफ सहित)	980	842	85.92
17.	i) सकल अलाभकारी आस्तियों का %	2.08	4.84	-
	ii) निवल अलाभकारी आस्तियों का %	-	4.58	-
18.	स्वयं सहायता समूह			
	i) गठन (सं.)	-	1592	-
	ii) सम्बद्धीकरण (सं.)	1000	960	96
19.	किसान क्रेडिट कार्ड (खातों की संख्या)	54342	47884	88.12
20.	हानिप्रद शाखायें (सं.)	-	32	-

* प्रायोजक/अन्य स्टाफ सहित

22. अन्य विवरण

(क) स्वयं सहायता समूह

बैंक द्वारा स्वयं सहायता समूहों के गठन हेतु सघन प्रयास किये गये हैं। योजना के प्रारम्भ से अब तक कुल 17087 समूह गठित किये जा चुके हैं तथा इन समूहों में से 8603 समूहों को रू0 7058.11 लाख की ऋण सीमायें स्वीकृत कर बैंक से सम्बद्ध किया गया है। वर्ष 2013-2014 के दौरान 960 समूहों को रू0 803.67 लाख की ऋण सीमायें स्वीकृत की गई हैं जिसमें से 321 समूहों (64 समूहों को रिवॉल्विंग फण्ड तथा 257 समूहों को मुख्य गतिविधि) हेतु एस.जी.एस.वाई. के अन्तर्गत तथा एस.जी.एस.वाई. को छोड़कर 639 अन्य समूहों को बैंक से सम्बद्ध किया गया है।

(ख) किसान क्रेडिट कार्ड

बैंक ने उपलब्ध सीमित सम्भाव्यताओं का पूर्ण दोहन करते हुए किसान क्रेडिट कार्ड वितरण करने हेतु समग्र प्रयास किए हैं। वर्ष 2013-2014 के दौरान 8660 किसानों को रू0 7620.53 लाख की ऋण सीमायें स्वीकृत की गई है। तदानुसार बैंक ने अब तक कुल रू0 44220.36 लाख की ऋण सीमा के 84684 के.सी.सी. वितरित किए हैं, जिनमें से 84684 पात्र किसान क्रेडिट कार्ड धारकों को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत बीमित किया गया है।

(ग) स्वरोजगार क्रेडिट कार्य योजना

''स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना'' के अन्तर्गत वर्ष 2013-2014 में छोटे दस्तकारों, हथकरघा बुनकरों, स्वरोजगारियों तथा अन्य माइक्रो उद्यमियों को किफायती ढंग से पर्याप्त और समय से ऋण सुविधा उपलब्ध कराने हेतु 2000 निर्धारित भौतिक लक्ष्यों के विपरीत 322 स्वरोजगारियों को रू0 143.92 लाख की ऋण सीमायें वितरित की गयी हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष के दौरान 156 लाभार्थियों को जनरल परपज क्रेडिट कार्ड के अन्तर्गत रू0 36.57 लाख का ऋण वितरण किया गया है।

(घ) कृषि ऋण वितरण :

बैंक द्वारा वर्ष 2013-2014 के दौरान कृषि ऋण हेतु निर्धारित वित्तीय लक्ष्य रू0 42560.41 लाख के विपरीत रू0 30934.19 लाख का ऋण वितरण किया गया। दि0 31.03.2014 को कृषि ऋण का स्तर रू0 39639.10 लाख अर्थात सकल ऋणों का 26.16% है। बैंक ने 59064 कृषकों को वर्ष 2013-2014 के दौरान वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी है, जिसमें से 13031 नये कृषक थे। कृषि ऋणों के वितरण व बकाया राशि का विवरण निम्नवत है -

(राशि हजारों में)

वर्ष	वित्तीय वर्ष में ऋण वितरण	वित्तीय वर्ष के अन्त में बकाया राशि
2013-2014	30,93,419	39,63,910

(ङ) नवीन सरलीकृत ऋण सह अनुदान ग्रामीण आवास योजना

नवीन सरलीकृत ऋण सह अनुदान आवास योजना वर्ष 2005 से लागू है। इस योजना के अन्तर्गत रू0 32,000/- तक वार्षिक आय वर्ग वाले आवास विहीन परिवारों को आवास हेतु रू0 40,000/-ऋण एवं रू0 10,000/- अनुदान दिया जाता है। वर्ष 2013-14 में बैंक ने इस योजना में 151 परिवारों को कुल रू0 122.38 लाख के ऋण स्वीकृत किये हैं।

(च) अर्न्तबैंक सहभागिता प्रमाण पत्र

हमारे बैंक द्वारा भारतीय स्टेट बैंक के साथ अर्न्तबैंक सहभागिता प्रमाण पत्र (IBPC) अनुबन्ध किया गया है। हमने 180 दिनों के लिये 1 प्रतिशत ब्याज अन्तर आय की प्राप्ति के साथ रू0 144 करोड़ के मानक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिमों का भारतीय स्टेट बैंक के रू0 144 करोड़ के गैर प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के ऋणों के साथ विनिमय किया है।

(छ) रूपे किसान कार्ड

इस वर्ष बैंक द्वारा विभिन्न शाखाओं से सम्बद्ध 29156 पात्र कृषकों को रूपे किसान कार्ड उपलब्ध कराये गये हैं। इस प्रकार अब कृषक आवश्यकतानुसार कहीं भी और कभी भी एटीएम से धन प्राप्त कर सकते हैं।

23. गैर-पूंजीगत व्यवसाय

(क) अपनी शाखाओं पर ग्राहकों के चैक/बिलों का संग्रहण एवं ड्राफ्टों का निर्गम बैंक द्वारा प्रायोजक बैंक की सम्बद्ध शाखाओं के माध्यम से करवाया जाता है तथा इससे गैर ब्याज आय अर्जित की जाती है। इसके अतिरिक्त प्रायोजक बैंक के मल्टी सिटी चैकों के माध्यम से ग्राहकों के लिये भारतवर्ष में कही भी धनान्तरण की सुविधा ''ग्रामीण पे आर्डर'' तथा इसके अतिरिक्त एन0ई0एफ0टी0 के माध्यम से भी लागू की गयी है जिससे बैक द्वारा गैर ब्याज आय में निरन्तर वृद्धि दर्ज की गयी है। बैंक द्वारा गारन्टी व्यवसाय भी किया जा रहा है। नेशनल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि0 के सामान्य बीमा उत्पादों एवं एसबीआई लाइफ के विभिन्न उत्पाद की बिक्री के माध्यम से भी गैर ब्याज आय में निरन्तर वृद्धि दर्ज की गयी।

(ख) पैन कार्ड

बैंक में ग्राहकों हेतु आयकर विभाग से पैन कार्ड जारी करने हेतु आवेदन पत्र भी स्वीकृत किये जाते है। इस हेतु यूटीआई टैक्नोलॉजी सर्विसेज प्रा0 लि0 से सहमति ज्ञापन निष्पादित किया गया है।

(ग) वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर

बैंक द्वारा अपनी चुनिंदा शाखाओं के माध्यम से वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर की सुविधा भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही है।

24. वित्तीय समावेशन

(अ) बैंक द्वारा वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। इस वर्ष के अन्त तक बैंक द्वारा कुल 286 व्यवसाय प्रतिनिधियों की नियुक्ति की गयी। आई0 सी0 टी0 आधारित सोल्यूशन हेतु मै0 सी एज टेक्नोलॉजीस लि0 एवं मै0 सोर्स ट्रेस सिस्टम्स इण्डिया प्रा0 लि के सहयोग से तकनीकी बैंकिंग सुविधा दूर दराज के क्षेत्रों में निवासित बैंकिंग रहित व्यक्तियों को गत वर्षों से प्रदान की जा रही है। इस वर्ष बैंक द्वारा मै0 एजीएस ट्रांजेक्ट टेक्नोलॉजीस लि0 के सहयोग से टेबलेट आधारित तथा मै0 सी.एज. टैक्नोलोजीज लि0 के सहयोग से लैपटॉप आधारित माइक्रो एटीएम सुविधा का शुभारम्भ किया गया है, जिस हेतु नाबार्ड द्वारा वित्तीय समावेशन तकनीकी निधि के अन्तर्गत, आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि बैंक द्वारा इस वर्ष प्रधान कार्यालय परिसर में एफ.आई. सर्वर को स्थापित कर सफलतापूर्वक सी.बी.एस. सर्वर के साथ इन्टीग्रेशन किया गया जिसके माध्यम से पॉस डिवाइस तथा माइक्रो एटीएम में किये जाने वाले लेन देन ऑन-लाइन हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त नाबार्ड के आर्थिक सहयोग से 148 वित्तीय साक्षरता शिविरों का आयोजन कर बैंक में खाता खोलने हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया गया है। वित्तीय समावेशन के अंतर्गत (भारत सरकार की योजना अनुसार) हमारे बैंक को 644 कलस्टर आधारित गाँव, नवीन शाखाओं, बीसी के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2015-2016 तक बैंकिंग सुविधाऐं प्रदान करने के लिए आवंटित किये गये हैं।

(ब) वित्तीय जागरूकता केन्द्र की स्थापना

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशानुसार, बैंक द्वारा इस वर्ष 07 वित्तीय जागरूकता केन्द्रों यथा देहरादून, क्षेत्रीय कार्यालय, पौड़ी, क्षेत्रीय कार्यालय, हल्द्वानी, रूद्रपुर, टनकपुर, गौचर तथा तिलवाडा की स्थापना की गयी जिसमें से 05 वित्तीय जागरूकता केन्द्रों यथा देहरादून, क्षेत्रीय कार्यालय, पौड़ी, क्षेत्रीय कार्यालय, हल्द्वानी, रूद्रपुर तथा टनकपुर हेतु आर्थिक सहयोग नाबार्ड द्वारा प्रदान किया गया। इसके उपरान्त बैंक द्वारा स्थापित किये गये कुल वित्तीय जागरूकता केन्द्रों की संख्या 12 हो गयी है।

(स) अल्ट्रा स्माल शाखायें

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2013-2014 में 2000 से कम आबादी वाले गांवों में 13 अल्ट्रा स्माल शाखायें खोली गयी तथा वर्तमान में बैंक में कुल 20 अल्ट्रा स्माल शाखायें संचालित की जा रही हैं।

(द) रूपे एटीएम कार्ड

बैंक द्वारा तकनीकी उन्नयन के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल करते हुये बैंक के ग्राहकों हेतु रूपे एटीएम कार्ड एवं रूपे किसान कार्ड का शुभारम्भ किया गया है। इस प्रकार बैंक द्वारा उत्कृष्ट ग्राहक सेवाओं में लगातार परिमार्जन किया जा रहा है।

(य) वित्तीय जागरूकता सचल वाहन

नाबार्ड द्वारा प्रदत्त आर्थिक सहयोग से वित्तीय जागरूकता सचल वाहन द्वारा सामान्य जन को विविध बैंकिंग सेवाओं का लाभ लेने हेतु जागरूक किया जा रहा है। वाहन में एटीएम भी लगाया गया है, जोकि वित्तीय वर्ष 2014-2015 से परिचालन में आयेगा।

(र) व्यवसाय प्रतिनिधियों एवं सीएसपी हेतु प्रशिक्षण

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक द्वारा 143 व्यवसाय प्रतिनिधियों एवं सीएसपी को आईआईबीएफ प्रमाणित प्रशिक्षण क्रक्स मेनेजमेन्ट के सहयोग से प्रदान किया गया जिस हेतु वित्तीय सहायता नाबार्ड द्वारा प्रदान की गयी।

25. (क) तकनीकी उन्नयन

बैंक द्वारा तकनीकी कौशल में उपस्थिति दर्ज कराते हुये एन0ई0एफ0टी0, एस0एम0एस0 एलर्ट, एवं इंटरनेट बैंकिंग (नॉन फाइनेन्शियल) सुविधायें ग्राहकों हेतु प्रदान की जा रही हैं। पूर्ववर्ती नैनीताल-अल्मोड़ा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक जिसके उत्तरांचल ग्रामीण बैंक में समामेलन के पश्चात् उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक अस्तित्व में आया है तथा जो क्षेत्रीय कार्यालय, चतुर्थ के रूप में विकसित है, की 70 शाखाओं में पूर्व में प्रयुक्त फिनेकल सॉफ्टवेयर के स्थान पर B@ncs24 सॉफ्टवेयर का प्रत्यावर्तन कर सफल तकनीकी विलय किया गया।

26. (क) हानिजनित शाखायें

दि0 31/3/2014 को 32 शाखाएं हानि दर्शा रही है जिनमें से 29 नयी शाखायें है जो कि प्रारिम्भक हानि दर्शा रही हैं।

(ख) ब्याज दर

बैंक द्वारा व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के मध्यनजर जमा पर ब्याज दर आस्ति देयता प्रबन्धन के अनुरूप तथा ऋण पर ब्याज दर लगभग प्रायोजक बैंक की दरों के समान ही रखी गई हैं।

27. अन्य विवरण

(क) प्रशिक्षण :

प्रशिक्षण आवश्यकताओं/उनके ज्ञानवर्धन व कौशल के विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान हमारे द्वारा अपने बैंक अधिकारियों/कर्मचारियों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण विविध संस्थानों यथा बर्ड लखनऊ, स्टेट बैंक ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद एवं भारतीय रिजर्व बैंक कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, पुणे के अतिरिक्त हमारे बैंक के अपने प्रशिक्षण संस्थान 'यूजीबी ज्ञानार्जन केन्द्र' पर कुल 261 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उक्त प्रशिक्षण के अलावा बैंक के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा प्रति माह बैंक व्यवसाय प्रगति की समीक्षा, एनपीए प्रबंधन, सरफेसी, एसबीआई लाइफ आदि विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। वर्ष 2013-14 के दौरान विभिन्न संस्थानों में कार्मिकों को प्रदत्त प्रशिक्षण का विवरण निम्नवत है :-

क्र.सं.	पद का नाम	भारतीय रिजर्व बैंक कृषि बैंकिंग महाविद्यालय पुणे	स्टेट बैंक ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद	बर्ड लखनऊ	यूजीबी ज्ञानार्जन केन्द्र	अन्य
1.	अधिकारी	04	04	35	101	06
2.	कार्यालय सहायक	-	-	-	45	13
3.	कार्यालय परिचर	-	-	-	-	53
	योग	**04**	**04**	**35**	**146**	**72**

(ख) औद्योगिक सम्बन्ध

कर्मचारियों एवं अधिकारियों के साथ बैंक प्रबन्धन के औद्योगिक सम्बन्ध सौहार्दपूर्ण रहे हैं, जिसकी परिणति बैंक के व्यवसाय की उन्नति एवं वर्षान्त में बैंक द्वारा लाभ अर्जित करने में दृष्टिगोचर हुयी है।

(ग) अर्न्तशाखा मिलान

अर्न्तशाखा मिलान अद्यतन है। दि0 31.03.2014 को रू. 3404.94 लाख (निवल) की 1017 प्रविष्टियां समायोजन हेतु लम्बित हैं जिनमें से कोई भी प्रविष्टि 06 माह से अधिक समय से लम्बित नहीं है।

(घ) निधि प्रबन्धन :

वर्ष के दौरान जमा राशियों में निरन्तर वृद्धि से बैंक के संसाधनों में सुधार हुआ है। उपलब्ध निवेश अवसरों पर, निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप समुचित ध्यान दिया गया। नाबार्ड/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित एकल मानदण्डों का कड़ाई से पूर्णरूपेण पालन किया गया।

(ङ) लाभप्रदता :

समस्त स्टाफ के संगठित एवं लगनशील प्रयासों, आक्रामक रणनीति व सुनियोजित प्रबन्धन के कारण बैंक द्वारा दिनांक 01-04-2013 से 31-03-2014 तक रू. 1129.58 लाख का कर पश्चात् शुद्ध लाभ तथा रू. 1592.93 लाख का कर पूर्व लाभ अर्जित किया गया है। उल्लेखनीय है कि 01-04-2013 से 31-03-2014 की अवधि के दौरान 23 नई शाखायें खोली गई हैं, अत: इन शाखाओं की स्थापना मद यथा फर्नीचर/फिक्सचर एवं पुरानी शाखाओं के सौन्दर्यीकरण तथा उनके परिसरों के किराये में वृद्धि, क्षेत्रीय कार्यालय चतुर्थ (पूर्ववर्ती नैनीताल-अल्मोड़ा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) की शाखाओं में फिनेकल सॉफ्टवेयर के स्थान पर B@ncs24 सॉफ्टवेयर में प्रत्यावर्तन आदि के कारण बैंक पर व्यय का अतिरिक्त भार पड़ा हैं। बैंक द्वारा मानक आस्तियों के लिये दिनांक 31.03.2013 के मुकाबले रू0 106.48 लाख अतिरिक्त एवं गैर निष्पादक अस्तियों के लिए रू0 73.06 लाख अतिरिक्त प्रावधान करना पड़ा। अग्रेतर अर्जित लाभ के विरूद्ध दिनांक 01.04.2013 से दिनांक 31.03.2014

के लिये रू. 463.36 लाख का आयकर प्रावधान भी आयकर नियमों के अनुरूप किया गया है। बैंक आगामी वर्षों में बेहतर परिणाम हासिल करने के प्रति आशान्वित है।

च) पूंजी पर्याप्तता अनुपात :

दिनांक 31.03.2014 को बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 11.86% प्रतिशत रहा है जो बैंक की सुदृढ़ वित्तीय स्थिति का प्रतीक है।

छ) मानव शक्ति नियोजन :

832 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक स्टाफ के अतिरिक्त, प्रायोजक बैंक से, बैंक के अध्यक्ष शीर्ष प्रबन्धन-श्रेणी V, एक मुख्य सतर्कता अधिकारी वरिष्ठ प्रबन्धन श्रेणी V, बैंक के दो महाप्रबन्धक वरिष्ठ प्रबन्धन श्रेणी-IV, एक मुख्य निरीक्षक, वरिष्ठ प्रबन्धन श्रेणी- IV एवं 4 क्षेत्रीय प्रबन्धक जिनमें से एक वरिष्ठ प्रबन्धन श्रेणी-IV एवं अन्य तीन अधिकारी मध्यम प्रबन्धन श्रेणी-III, प्रतिनियुक्ति पर हैं। वर्ष 2013-2014 के दौरान 40 अधिकारी श्रेणी-I तथा 118 कार्यालय सहायक पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण की गई। 31.03.2014 में बैंक की मानव शक्ति निम्नवत है :-

क्र.	पद	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल योग	जिसमें से महिला कर्मी
1.	प्रायोजक व अन्य बैंक से प्रतिनियुक्त अधिकारी	3	4	3	-	10	-
2.	उ.ग्रा. बैंक अधिकारी श्रेणी IV	6	-	-	-	6	-
3.	उ.ग्रा. बैंक अधिकारी, श्रेणी-III	35	2	1	-	38	-
4.	उ.ग्रा. बैंक अधिकारी, श्रेणी-II	118	35	5	-	158	2
5.	उ.ग्रा. बैंक अधिकारी, श्रेणी-I	161	53	15	23	252	18
6.	उ.ग्रा. बैंक कार्यालय सहायक	193	46	10	18	267	62
7.	उ.ग्रा. बैंक कार्यालय परिचर	89	15	3	4	111	9
योग		**605**	**155**	**37**	**45**	**842**	**91**

(ज) राजभाषा नीति :

राजभाषा नीति का अनुपालन बैंक द्वारा किया जा रहा है और बैंक हिन्दी के व्यापक प्रयोग में पूर्णतया समर्पित है।

(झ) निदेशक मण्डल :

भारत सरकार के राजपत्र में निहित निर्देशों का अनुपालन करते हुए, उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक के निदेशक मण्डल की कैलण्डर वर्ष में 06 बैठकें आयोजित की गई। वर्ष 2013-2014 में संचालक मण्डल के एक सदस्य परिवर्तित हुये तथा भारत सरकार से एक गैर शासकीय निदेशक का नामांकन 31.03.2014 को हुआ। एक गैर शासकीय का पद 31.03.2014 तक रिक्त है। निदेशक मण्डल विमुक्त हुये निदेशक द्वारा बैंक के विकास में दिये गये सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिये उनका आभार व्यक्त करता है तथा नये निदेशक का स्वागत एवं अभिनन्दन करता है। वर्षान्तर्गत परिवर्तित एवं नवनियुक्त निदेशकों का विवरण निम्नांकित है।

विमुक्त निदेशक	नये नामांकित निदेशक
श्री दिवाकर भट्ट, उप महाप्रबन्धक भारतीय स्टेट बैंक, देहरादून प्रशासनिक कार्यालय उत्तराखण्ड	**श्री एम०बी० दिवाकर,** उप महाप्रबन्धक (बी. एण्ड ओ.) भारतीय स्टेट बैंक, देहरादून प्रशासनिक कार्यालय उत्तराखण्ड

नवनियुक्त निदेशक
श्री आर्येन्द्र रस्तोगी, एडवोकेट सम्भल, उत्तर प्रदेश

आभारोक्ति :

निदेशक मण्डल, भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, भारतीय स्टेट बैंक (प्रायोजक बैंक) व उत्तराखण्ड सरकार का उनके मूल्यवान मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए आभार प्रकट करता है तथा भविष्य में भी बैंक की प्रगति में निरन्तर सहयोग की अपेक्षा करता है। निदेशक मण्डल, भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय मुम्बई के अध्यक्ष, प्रबन्ध निदेशक, उप प्रबन्ध निदेशक मुख्य महाप्रबन्धक (एबीयू), महाप्रबन्धक (एबीयू), उप महाप्रबन्धक (ग्रामीण व्यवसाय इकाई), भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली के मुख्य महाप्रबन्धक, महा प्रबन्धक नेटवर्क द्वितीय, उप महाप्रबन्धक (ग्रामीण व्यवसाय ईकाई), सहायक महाप्रबन्धक (एल.बी.,एम.सी., आर.आर.बी.) द्वारा बैंक के कार्य निष्पादन एवं प्रगति में प्रदर्शित गहन रूचि एवं प्रदत्त हार्दिक सहयोग का विशेष उल्लेख करते हुए प्रशंसा करता है।

निदेशक मण्डल, बैंक के सभी ग्राहकों एवं शुभेच्छुओं, का उनके नियमित संरक्षकत्व एवं सहयोग हेतु आभार व्यक्त करने में हर्ष का अनुभव करता है। बैंक खातों को यथा समय अन्तिम रूप प्रदान करने के लिए निदेशक मण्डल, मै0 ए0 के0 कश्यप एण्ड कम्पनी (केन्द्रीय सांविधिक लेखा परीक्षक) सनदी लेखाकार, देहरादून, मै0 गोयल भनोत एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, देहरादून, मै0 जी0 के0 पटेट एण्ड कम्पनी, (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, देहरादून, (मै0 शर्मा कथूरिया एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, ऋषिकेश, मै. गुप्ता अग्रवाल शारदा एवं जैन (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार हरिद्वार, मै0 शेखर चन्द्र एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार ऋषिकेश, मै0 कैलाश सुरेश एण्ड एसोसिएट्स (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार रूद्रपुर, मै0 कुलभूषण गर्ग एसो0 (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार काशीपुर, मै0 अशोक दर्शन एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार रूद्रपुर, मै0 रावत बर्तवाल एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार देहरादून एवं मै0 प्रमोद बनवारीलाल अग्रवाल (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार रूद्रपुर, मै0 अवस्थी प्रकाश एण्ड एसोसिएट्स (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, रूड़की मै0 शोभित अग्रवाल एण्ड एसोसिएट्स (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, झांसी, मै0 अरूण अशोक एण्ड कं0 (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, बुलन्दरशहर, मै0 मनोज वत्सल एण्ड कं0 (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, हल्द्वानी, मै0 अंशुल अग्रवाल एण्ड कं0 (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, अल्मोड़ा के प्रति आभार व्यक्त करता है। निदेशक मण्डल उत्तराखण्ड शासन का उनके द्वारा प्रदत्त अमूल्य सहयोग हेतु आभार व्यक्त करता है।

निदेशक मण्डल, बैंक के समस्त स्टाफ की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त करता है जिनके परिश्रम एवं समर्पण से बैंक चहुँमुखी प्रगति करने के साथ-साथ समस्त जन का विश्वास जीतने में सफल रहा।

निदेशक मण्डल के लिये एवं उनकी ओर से.......................

स्थान : देहरादून

दिनांक : 01.05.2014

यशपाल अरोड़ा
अध्यक्ष

सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों पर
बैंक द्वारा
वित्तीय साक्षरता एवं
जागरुकता अभियान की झलकियाँ

जमा मिश्रण / DEPOSIT MIX
मार्च 2014 / March 2014

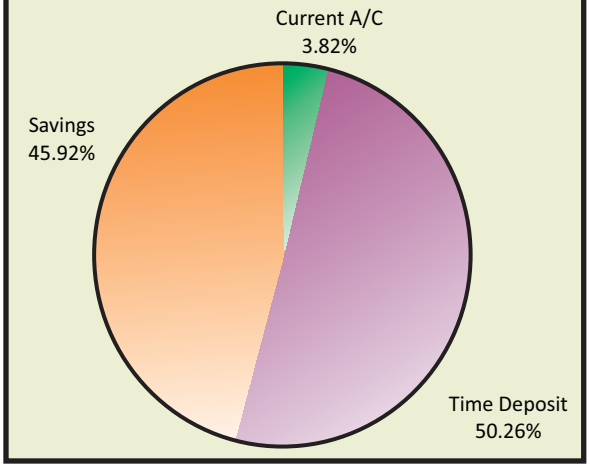

अग्रिमों का क्षेत्रवार प्रतिशत 2014
SECTORWISE % OF ADVANCES
March 2014

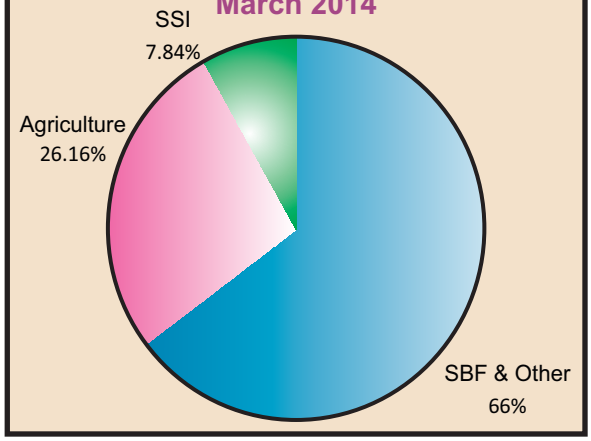

क्षेत्रवार ऋण वितरण प्रतिशत मार्च 2014
SECTORWISE LOAN DISBURSEMENT % OF ADVANCES March 2014

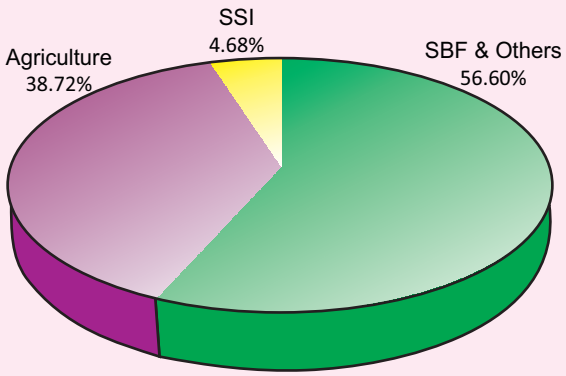

BUSINESS LEVELS
31.03.2014

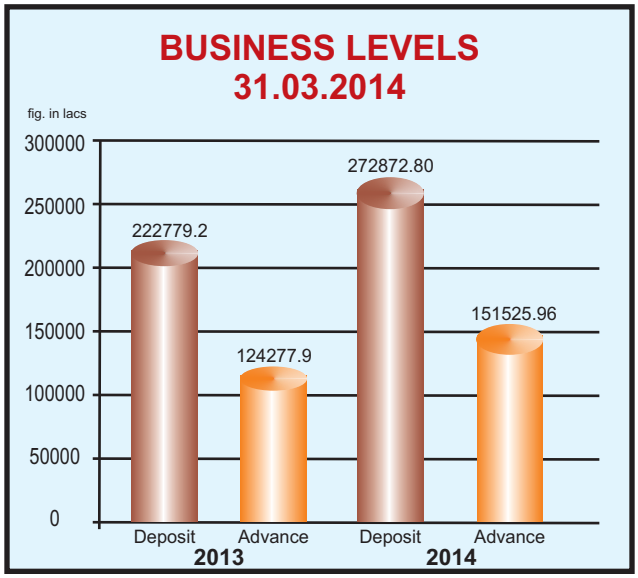

PRODUCTIVITY
31.03.2014